

भारत...

वेस्ट मैनेजमेंट पकड़ रहा जोर

बिजनेस रिसर्च
ऑर्गेनाइजेशन
नोवोनोअस के
मुताबिक, भारत
का वेस्ट मैनेजमेंट
मार्केट 2025
तक 13.62
बिलियन डॉलर का
होगा।

इसे देखते हुए
इस क्षेत्र में देश के
कई स्टार्टअप नई
तकनीक से लैस
होकर आ रहे हैं
और प्रदूषण से भी
मुक्ति दिला रहे हैं।

वेस्ट मैनेजमेंट अब सिर्फ यूरोप अमरीका जैसे देशों तक सीमित न होकर भारत की प्राथमिकताओं में शामिल हो गया है। वेस्ट की तरह देश के अंदर भी म्युनिसिपल सॉलिड वेस्ट, ई-वेस्ट, प्लास्टिक वेस्ट को रिसाइकल या रीयूज करने का ट्रेंड बढ़ रहा है। बिजनेस रिसर्च ऑर्गेनाइजेशन नोवोनोअस के मुताबिक, भारत का वेस्ट मैनेजमेंट मार्केट 2025 तक 13.62 बिलियन डॉलर का होगा।

वेस्ट मैनेजमेंट के क्षेत्र में बड़े पैमाने पर अवसरों को देखते हुए हर स्टार्टअप इसे कैश करने की योजना पर काम कर रहे हैं। कई स्टार्टअप रिसाइकल के पुराने टैंक को रिवाइव करने में लगे हैं। वैसे तो कपड़े रिसाइकल करने का ये चलन सालों से हमारे घरों में हैं। हमारी मम्मी, नानी सभी पुराने कपड़ों को पिलो कवर, रजार्ड के कवर बनाकर रियूज करती आ रही हैं लेकिन इस आदत को बिजनेस आइडिया में बहुत कम



लोग बदल पाते हैं। तो अगर आप अपनी इस आदत को एक बिजनेस बनाना चाहते हैं और घर बैठे एक एंटप्रेन्योर बनना चाहते हैं तो किस तरह शुरुआत करनी चाहिए।

हाल में शुरू हुए इस तरह के स्टार्टअप पुरानी पीढ़ी की तरह कम से कम वेस्टेज करने, चीजों को रिसाइकल और रीयूज करने के सिद्धांत पर काम करता है। अपने ही ग्राहकों से कपड़े इकट्ठा कर उन्हें अपनी वर्कशॉप में लाया जाता है। यहां पर डिजाइनिंग से लेकर स्टिचिंग का काम होता है और नए प्रोडक्ट को वापस ग्राहक को भेज दिया जाता है।